PAGE 173, अभ्यास

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. **मगध के माध्यम से 'हस्तक्षेप' कविता किस व्यवस्था की ओर इशारा कर रही है?**

उत्तर- मगध के माध्यम से कविता 'हस्तक्षेप' एक शासन प्रणाली की ओर इशारा करती है। हर इंसान की पीड़ा सहन करने की एक सीमा होती है। जब तक पानी सिर के ऊपर से नहीं गुजरता है तब तक चुप रहता है। जहां पानी सिर के ऊपर पहुंच जाता है तब वह विरोध करना शुरू कर देता है। वह समझ जाता है की अब स्थिति को चुपचाप रहकर नहीं रहा जा सकता। यदि आप चुपचाप मरना चाहते हैं, तो इस से अच्छा है की आप विरोध कर के मरे। जब विरोध करना शुरू करता है फिर रुकता नहीं है. वह समझ जाता है की अत्याचार और शोषण को सिर्फ़ विरोध करके रोका जा सकता है । इसके बाद सभी विरोश करना शुरू कर दे ते है। भारत तब तक गुलाम रहा जब तक उसका स्वाभिमान जागृत नहीं हुआ। जब लोगों ने बोलना शुरू किया, तो ब्रिटिश शासन उखड़ गया और उनका शासन समाप्त हो गया।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. **व्यवस्था को 'निरंकुश' प्रवृत्ति से बचाए रखने के लिए उसमें 'हस्तक्षेप' ज़रूरी है – कविता को दृष्टि में रखते हुए अपना मत दीजिए।**

उत्तर- हर इंसान की पीड़ा सहन करने की एक सीमा होती है। जब तक पानी सिर के ऊपर से नहीं गुजरता है तब तक चुप रहता है। जहां पानी सिर के ऊपर पहुंच जाता है तब वह विरोध करना शुरू कर देता है। वह समझ जाता है की अब स्थिति को चुपचाप रहकर नहीं रहा जा सकता। यदि आप चुपचाप मरना चाहते हैं, तो इस से अच्छा है की आप विरोध कर के मरे। जब विरोध करना शुरू करता है फिर रुकता नहीं है. वह समझ जाता है की अत्याचार और शोषण को सिर्फ़ विरोध करके रोका जा सकता है । किसी भी एक प्रणाली का होना अच्छा है, लेकिन यह अत्याचारी या क्रूर नहीं होना चाहिए, और अगर ऐसी कोई प्रणाली है , तो इसमें हस्तक्षेप करना स्वाभाविक है। व्यवस्था के निरकुंश होने के कारण , पूरे समाज का शोषण होता है , जिसके साथ हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है, अन्यथा कोई भी मनुष्य जीवन मुक्त रूप से नहीं जी पायेगा। इसलिए मेरा मत है कि ऐसी निरंकुश प्रणाली से समाज को संरक्षित करने के लिए हस्तक्षेप आवश्यक है। ।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. **मगध निवासी किसी भी प्रकार से शासन व्यवस्था में हस्तक्षेप करने से क्यों कतराते हैं?**

उत्तर- मगध के निवासियों को डर है कि अगर हम शासन प्रणाली में हस्तक्षेप करते हैं , तो राजा हमारे खिलाफ हो जायेगा । इस तरह हमें उसके गुस्से का सामना करना पड़ेगा। इसलिए, वह चुपचाप व्यवस्था के मनमाने व्यवहार को सहन करते है। यह स्थिति ठीक नहीं है। उनकी चुप्पी शोषण का कारण बनता है।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. **'मगध अब कहने को मगध है, रहने को नहीं' - के आधार पर मगध की स्थिति का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।**

उत्तर- मगध एक शक्तिशाली राज्य के रूप में जाना था। जिसकी समृद्धि और शक्ति पूरे भारत में मानी जाती थी। परन्तु वास्तविकता इस से अलग थी। मगध के लोग शासन प्रणाली के निरंकुश व्यवहार से परेशान थे। लोगों को सताया जाता था। वे शासित थे। मैं निरंकुश व्यवहार से परेशान था। लोगों को सच्चाई पता थी। उसे शासन की अनुचित मांगों को पूरा करना पड़ता था। वहाँ की जनता शासन प्रणाली से

प्रसन्न नहीं थी। जिस राज्य में जनता प्रसन्नता नहीं है उस राज्य की यश का कोई महत्व नहीं है।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:5

5. **मुर्दे का हस्तक्षेप क्या प्रश्न खड़ा करता है? प्रश्न की सार्थकता को कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- मगध का शासन निरंकुश हो गया था। यहाँ के निवासी भय के कारण कुछ नहीं बोलते थे। उनकी समझने की शक्ति क्षीण होती जा रही थी। वे उत्पीड़न सहते हैं लेकिन हस्तक्षेप नहीं करते हैं। वहाँ की जनता जीवित है परन्तु एक मृत व्यक्ति की तरह है। मुर्दा भी ऐसी स्थिति में बोलता है क्यूंकि उसे किसी बात का भय नहीं होता है।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:6

6. **'मगध को बनाए रखना है, तो मगध में शांति रहनी ही चाहिए' – भाव स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- मगध की शासन प्रणाली के साथ उचित व्यव्हार नहीं करती है। लोगो में असंतोष देखकर शासन कहता है की उनके आवाज उठाने से मगध की शान्ति भांग होगी। मगध का अस्तित्व तभी तक है जब तक वहां के शासन में शान्ति है। शान्ति भांग हुयी तो मगध का अस्तित्व ख़त्म हो जायेगा।

शासन लोगो में भय उत्पन्न किया जाता है तथा दबाव डाला जाता है। शासन समझता है की उनके इस प्रयास से ही मगध में शांति है । शासन का यह व्यव्हार जनता में असंतोष उत्पन्न करेगा और विद्रोह को जन्म देगा । विद्रोह के बाद उनकी मनमानी समापत हो जाएगी । इसीलिए वे जनता को शांति के नाम पर भयभीत करते है ।

11:18:1: प्रश्न-अभ्यास:7

7. **'हस्तक्षेप' कविता सत्ता की क्रूरता और उसके कारण पैदा होनेवाले प्रतिरोध की कविता है – स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- इस कविता में मगध की शासन व्यवस्था को क्रूर दिखाया गया है। मगध की शासन व्यवस्था जनता के विरोध को दबाने और मनमाने तरीके से व्यवहार करने के लिए जनता पर कई तरह के अत्याचार करता है। शासन की इस क्रूरता के कारण मगध साम्राज्य में आतंक का मौहाल है। यह कविता ऐसे शासन के खिलाफ है जो क्रूरता से जनता पर शासन करता है तथा उनकी भावनाओं और अधिकारों को हनन करती है। ऐ सी शासन प्रणाली का विरोध आवश्यक है। कवि कहता है कि अगर जनता इस क्रूर शासन व्यवस्था को समाप्त करना चाहती है, तो उसे विरोध करना होगा। जब तक वे प्रतिरोध नहीं करेंगे तब तक यह क्रूरता जारी रहेगी।

11:18:2: योग्यता-विस्तार:1

8. **'एक बार शुरू होने पर
   कहीं नहीं रुकता हस्तक्षेप'
   इस पंक्ति को केंद्र में रखकर परिचर्चा आयोजित करें।**

उत्तर- इस पंक्ति का मूलभाव बहोत ही गहरा है। हर इंसान की पीड़ा सहन करने की एक सीमा होती है। जब तक पानी सिर के ऊपर से नहीं गुजरता है तब तक चुप रहता है। जहां पानी सिर के ऊपर पहुंच जाता है तब वह विरोध करना शुरू कर देता है। वह समझ जाता है की अब स्थिति को चुपचाप रहकर नहीं रहा जा सकता। यदि आप चुपचाप मरना चाहते हैं, तो इस से अच्छा है की आप विरोध कर के मरे। जब विरोध करना शुरू करता है फिर रुकता नहीं है . वह समझ जाता है की अत्याचार और शोषण को सिर्फ़ विरोध करके रोका जा सकता है। इसके बाद सभी विरोश करना शुरू कर देते है। भारत तब तक गुलाम रहा जब तक उसका स्वाभिमान जागृत नहीं हुआ। जब लोगों ने बोलना शुरू किया , तो ब्रिटिश शासन उखड़ गया और उनका शासन समाप्त हो गया।

11:18:2: योग्यता-विस्तार:2

9. **'व्यक्तित्व के विकास में प्रश्न की भूमिका' विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।**

उत्तर- व्यक्तितत्व के विकास में प्रश्न बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। प्रश्न उसके मन में उठने वाले विचारों की प्रतिक्रिया है। इससे उनकी वैचारिक शक्ति और इच्छाशक्ति का पता चलता है। यही कारण है कि लोग बच्चों के हर सवाल का जवाब देते हैं। बच्चे सब कुछ जानना चाहते हैं। वह किसी भी जवाब को ऐसे ही नहीं स्वीकार कर लेते है . वे तर्क करते है तथा सरल प्रश्नो में भी तर्क एक प्रयोग करके उसे कठिन बना देते है। कभी कभी वे सरल प्रश्नो से आरम्भ करके जटिल प्रश्नो का अम्बर लगा दे ते है। जितने प्रश्नो का जवाब देते है उतना ही उनके प्रश्नो की संख्या बढ़ती जाती है।